परमेश्वर के चरवाहे वह करते हैं जो प्रेरितों ने प्राचीनों को करने को कहा

जो बच्चों को सिखाते हैं वे अध्ययन पी 1 बी पढ़ें

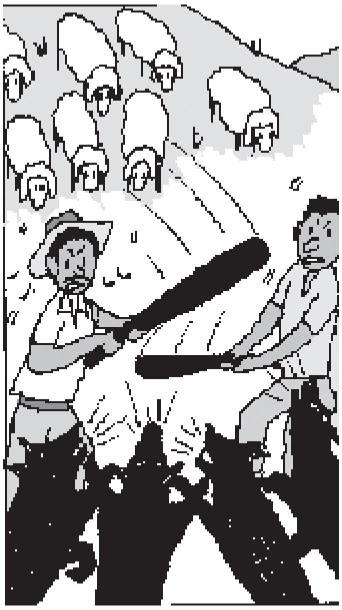

''तुम में जो प्राचीन हैं मैं उनकी नाई प्राचीन और मसीह के दु:खों का गवाह और प्रगट होने वाली महिमा में सहभागी होकर ,उन्हें ये समझाता हूं। कि परमेश्वर के उस झुन्ड को जो तुम्हारे बीच में है रखवाली करों; और ये दबाव से नही। परन्तु परमेश्वर को इच्छा के अनुसार आनन्द से और नीच कमाई के लिये नहीं, पर मन लगाकर। और जो लोग तुम्हें सौंपे गये हैं उन पर अधिकार जताओ वरन झुन्ड के लिये आदर्श बनो और जब प्रधान रखवाला प्रगट होगा, तो तुम्हें महिमा का मुकुट दिया जायेगा, जो मुरझाने का नही''। (1पतरस 5:1-4)

प्रार्थना: ''प्रिय प्रभु, कृपया हम प्राचीनों की सहायता कर कि हम झुन्ड की रखवाली कर सकें जो आपने हमें देखमाल करने को दिया है। हमे श्रद्धा से करने में सहायता कर पैसों के लिये नहीं ना ही उन पर अधिकार बताने के लिये-नम्रता से सेवा एक आदर्श के रूप में कर सकें- जिस प्रकार यीशु और उसके चेलें ने नमूना दिया है''।

1. चरवाहे का कार्य करने के लिये परमेश्वर के वचन से तैयार करो।

प्रेरित 20:17-38 में खोजो कि पौलुस ने प्राचीनो को क्या करने के निर्देश दिया अपने वचन और अपने उदाहरण से:

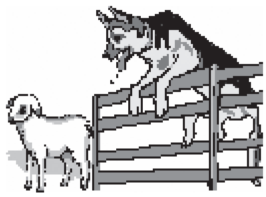

- उस जगह जाना जहां प्रचीन सिखाते है। *(पद 20)*
- जो प्रचीनों को घोषणा करनी है। *(पद 27)*
- क्यों प्राचीनों को सतर्क रहना है। *(पद 28-29)*
- जहाँ भेड़ियें दिख सकते हैं। *(पद 30-31)*
- पौलुस ने कैसे अपनी जीविका इफीस्सुस में कमाई *(पद 33-35)*
- किस प्रकार प्राचीनो ने अपने परामर्शदाताओं को प्रेम दिखाया *(पद 36-38)*

तीतुस 1:5-9 मे प्राचीनो के नाम देने और उनको योग्यताओं के विषय खोजें:

- तीतुस को क्रेते के हर शहर में क्या करना था। *(पद 4-5)*
- प्राचीनों को योग्यताएं *(पद 6-9)*

कृपया कुछ क्षण को और प्रार्थनामय पौलुस की चरित्र को सूचि जो चरवाहों को होना चाहिये, और 2 या तीन चुन लें जिसे आप अधिक विकसित करना चाहते हैं।

''एक सर्वेक्षक को बदनामी से ऊपर होना चाहिये.....स्वंय नियंत्रित होना चाहिये.....'' तीतुस 1:7-8

इफिस्सियों 4:11-12 में अगुवो की यो जरूरतें खोजें! (दिये गये पदों में उत्तर (देखें)

- आपको शिक्षा विश्वासी को क्या करने योग्य जानिये।(पद11-12)
- आपकी अगुवाई के लिये परमेश्वर का अभिप्राय(पद13)
- धार्मिक शिक्षा के प्रति आपको अगुवाई का परिणाम (पद14)
- जिस प्रकार विश्वासी बात करना है उसका परिणाम(पद15)
- विश्वासी कैसे एक दूसरे से व्यवहार करते उसका परिणाम(पद16)

मत्ती 15:17 में किस प्रकार प्राचीनों को बुरे व्यवहार रिपोर्ट पर व्यवहार है।

इससे पहले कि आप कुछ करें एक शिकायत पर क्या करना चाहिये?

2. सप्ताह के बीच की गतिविधियों को अपने सह-कर्मियों के साथ योजना बनाओ।

आपको अपने चरवाही की ड्यूटी करने के लिए परमेश्वर की सहायता के लिऐ प्रार्थना करें।

पहचाने कि आपके झुन्ड में किस सेवकाई पर ध्यान देने की आवश्यकता है और उन्हें विकसित करने की योजना बनायें:

समझाओ, बिना हमला किये सुधारो और खोई हुई भेड़े को पुन: वापस लाओं 1कुरिन्थि 5, गलतियों 6:1-2

विवाहों और परिवारिक जीवन को शांति देना, इफिस्सियों 5:21-6:4

विश्वासियों कि मदद करे कि वे प्रार्थना करे व्यक्तिगत और परिवारिक रुप से वचन का अध्ययन करे, 1 थिस्सालुनीकियों 5:17

बिमार जरूरत मन्दों, और अन्याय से पीडित जनो की सेवा करे, उत्पत्ति 18:20-33, याकुब 5:14-15

जरूरत मन्दों की सेवा कलीसिया को पेट के अन्दर और बड़े समुदाय में करना प्रेरित 6:1-6, गलतियों 6:10

परमेश्वर ने जैसे दिया है, वैसे तुम भी दिया करे, लूका 6:38, मत्ती 25:14-30

ऐसा **आयोजित करें** जिससे सब मित्रभाव से एक देह में आत्मिक वरदानों से सेवा कर सकें 1 कुरिन्थी 12

एक **दूसरे की सेवा** झुन्डों और दूसरे में कसे। 1 कुरिन्थी 12, इफिस्सि 4:11-16 रोमि 12:4-16

झुन्ड के लोगों में आपसे प्रेम संगति विकसित करें रोमियों 12:3-21, 1 कुरिन्थी 13

देह की नाई आराधना करो, प्रभु भोज भी उसमें शामिल है, मत्ती 26:26-28, इब्रानी 10:25, प्रेरित 2:46; 20:7

लोगों को यीशु के विषय बताओ, लूका 24:46-48; प्रेरित 1:8; 2 तिमुथि 4:5

चेले बनाओ जो कही करते जो यीशु ने आस्य दी है, मत्ती 28:18-20 (उदाहरण: प्रेरित 2:37-47)

विश्वासियों को सेवकाई के लिये सुसज्जित करने के लिये वचन इस्तेमालकरे, 1 तिमुथि 3:16-17, याकूब 1:22-26 इफिस्सी 4:11-12

नये झुन्ड आरम्भ करों, जहां लोगों की अनदेखने होती है प्रेरित अध्याय 13–14

प्रेरितों को तैयार कर भेजे, तिरस्कृत वो जो स्वीकार करते है उनके पास मत्ती 28:18–20, प्रेरित 1:8; 13:1–3

नया चरवाहें को परामर्श दो और प्रेरित जो सीखने के काम पर है, मरकुस 3:14, तीतुस 1:5, 2 तिमुथि 2:2

3. आने वाली आराधना की समय के योजना अपने सह-कर्मियों के साथ बनओ।

प्रेरित 20:17–38 से पौलुस की इफिसियें की प्राचीनो के साथ के बारे में बताओ। जो आपने पाया उसके विषय प्रश्न पूछें (भाग 1)

चरवाही करने वाले प्राचीनो को योग्यताएं और कर्तव्यों का वर्णन करें।

आपने जिन सेवकाइयों के विषय योजना बनाई जिन्हें विकसित होने की आवश्यकता है उस योजना को घोषणा कर कार्य करें (भाग 2)

प्रभु भोज का परिचय करने के लिये यूहन्ना 10पद 11–15 और 27–30 पढ़ें1 ये वर्णन करें कि यीशु अच्छा चरवाहा था जिसने अपना लहू भेड़ों के लिये जो हम है, बहाया।

जो बच्चों ने तैयार किया है उसे बच्चों को प्रस्तुत करने दें (हमेशा बच्चों के शिक्षक पौलुस –तिमुथि बच्चों के अध्ययन जैसा नये चरवाहे के अध्ययन में दिया गया है उसे वे इ स्तेमाल करें)

दो या तीन के झुन्ड में मिलकर एक दूसरे को उत्साहित करो, योजना बनाओ और प्रार्थना करो

1 यिर्मियाह 3:15 साथ साथ कंठस्त करो।